नाट्यकला
(385)
शिक्षक-अंकितमूल्यांकन-पत्र

पूर्णांक - 20

निर्देश : **(i)** सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के अनुसार अंक सामने दिए गए हैं।
(ii) उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अपना नाम, अनुक्रमांक संख्या, अध्ययन केंद्र का नाम लिखिए।

1. किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए। 2

(क) आचार्य अभिनवगुप्त के अनुसार नाट्य क्या है? (पाठ-1 देखें)

(ख) नाट्य शास्त्र के 15वें अध्याय का सार अपने शब्दों में लिखिए। (पाठ-2 देखें)

2. किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए1 2

(क) नाट्यधर्मी पर एक टिप्पणी लिखिए। (पाठ-2 देखें)

(ख) कथावस्तु के प्रमुख भेदों पर टिप्पणी लिखिए। (पाठ-5 देखें)

3. किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए। 2

(क) ध्रुवस्वामिनी नाटक के रचनाकार का सामान्य परिचय दीजिए। (पाठ-12 देखें)

(ख) प्रबोधचंद्रोदय नाटक के प्रथम अंक का सार लिखिए। (पाठ-13 देखें)

4. किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए। 4

(क) ध्रुवस्वामिनी नाटक की नाट्य शैली का विस्तार से विवेचन कीजिए। (पाठ-12 देखें)

(ख) प्रबोधचंद्रोदय नाटक के सैद्धांतिक अनुप्रयोग का विस्तार से उल्लेख कीजिए। (पाठ-13 देखें)

5. किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए। 4

(क) चित्राभिनय को विस्तार से समझाइए। (पाठ-17 देखें)

(ख) मुखाभिनय के प्रकारों का उल्लेख करते हुए उनका विस्तार से वर्णन कीजिए। (पाठ-17 देखें)

6. नीचे दिए गए किसी एक विषय पर परियोजना रूप में विवरण दीजिए। 6

(क) वेदों में नाट्यतत्त्वों का उल्लेख जिन सूक्तों में मिलता है उनकी सूची बनाकर उनमें दिए गए प्रमुख नाट्य तत्त्वों का उल्लेख कीजिए। (पाठ-1 देखें)

(ख) नाट्यशास्त्र में वर्णित नाट्यमंडपों की एक सूची बनाते हुए उनका विस्तार से वर्णन कीजिए। पाठ-14 देखें)